

25/5/18

प्रावली पंरा हुई। प्राचीनी व नील उपाधित
प्रावली कपरा दिनमें 31/5/18 को प्रेष
केय आकडली में बेरा हा।

सहायक कलेक्टर
(S.D.O.) बालोवा

31/5/18

प्रावली आज सभास्य लोक अदालत केय
आकडली में पंरा हुई। प्राचीनी व
विश्वी संख्या - 211, 212 व 3 उपाधित ।
दीगर विश्वीगव संख्या पता 6 अनु०

प्राचीनी में अपने धर्मना पत्र में
संकेत रूप से जाहिर किया की
प्राचीनी व विश्वीगव संख्या 1 ता 3 के
पैतृक हम हिलन की स्वतेशरी शक्ति
सरहद मौजा गुणडी के खसरा न० 155/31
संख्या 50 बीघा 00 बिल्ला बूमि में पैतृक हम
हिलन में मिली हुई थी। जिसमें प्राचीनी व
विश्वी संख्या - 1 ता 3 का 114 114 बिल्ला है
जिसका प्राचीनी एवं विश्वीगव संख्या 1 ता
3 का कटवा नामा चला धर रहा है।

उक्त अपराधी में प्राचीगव है, पिता इशवीद
के द्वितीय विवाह की पालन व सन्तानों
पुत्रवादी संख्या पता 6 द्वारा राजस्व
रेमंड आबेजाहियों को गलत व ग्राहक
तथ्यों के आधार पर अपने को इशवीद
के पुत्र अंगी के उत्तराधिकारी होना
कहाकर अपना व अपने पुत्र विश्वीगव
संख्या पता 6 का राजस्व रेमंड में नाम
अंमल करवा दिया तथा वादिनी जो कि
अश्लील होना जानते हुए अपने हमी

अनोप/218

सरस कवर

टीकनकर

शिवप्रतापसिंह

माधुसिंह

पर कुमाराधारा करने के आशय है
 इसका नाम तक अंशित न करवाकर
 द्वितीय पत्नि से उत्तर संतान को
 जलत नीर से पुत्र अर्थात् वारिदान
 बनाकर राजस्व अधिकारियों से साठ गांठ
 कर राजस्व रेकर्ड में गिराया उचित
 कर जर्जरी के नाम देखातसरी उक्त
 सशय दानी करित करने में अरज ले
 व अपने स्वयं को पायदा पहुँचे इस
 अरज से जलत व भुगतन तर्फी में
 जेतगी भूरेक्षण पारित करवाया गया
 व राजस्व रेकर्ड में नाम इस जाने
 से विषयी जलत पत्ता 6 अरज भिन्न
 अपने एक स्वाधित्व में व करणा करत
 की भूमी को जेतान करने में आग्रह
 होने तथा जर्जरी के करणा नाम
 में श्रवणशंशी करने में लाभ जेतन
 करने की चामकी देने पर आग्रह
 हो अगर विषयीगत अपने मनसूखी
 में आपदा नामपाव हो गये तो जर्जरी
 को अन्वयेन अस्तुविस्था होने के
 साथ अपने एक-द्विती से अद्वय
 रहने के साथ उत्तम द्विती पर जराप
 का आनरन द्या जायेगा अथ जर्जरी
 के पास अन्वाई अिलेखाणा कर जर्जरी
 पर पेश कर विषयीगत के निशर
 अन्वाई अिलेखाणा करने का निवेदन
 किया है।

पञ्चावली व पञ्चावली में ललगे
 दस्तावेजों का अन्वयेन व
 अद्वयन किया गया। जर्जरी

ज विष्णुजीवन सत्य सत्या 21, 22
व 3 उपस्थित दीक्षा निशानि
सत्य पता 6 अनुवाचित 34 के
विश्व रूप पक्षीप मरिचिणी की
पानी है। मरिचिणी का मरिचिणी पक्ष
स्वीकार किया जाता है। व फाइल
रिफा जाता है। मरिचिणी गुजरी
के स. न. 155/11 सत्या 50 वीचा
00 सिया भूमी के मरिचिणी के हक में
है। विष्णुजीवन इस आशय में
वाद मय भूमी को लेना, मरिचिणी
या हस्तान्तरण न करे व न ही
अन्य भूमी लेना करे।

फावली पक्षीप सुमार होकर दायित्व
क्षतर हो।

निलिय सुले न्यायालय के सत्य
लोक अदालत मय मरिचिणी के
सुनाया गया।

(भागीरथ राम)

पीठासीन अधिकारी लोक अदालत/कोर्ट कैम्प-2018
उपखण्ड अधिकारी एवं पदेन सहायक कलेक्टर
बालोतरा कैम्प.....